दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 171
मुरादाबाद
(Sunday)
11 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रथमं शैलपुत्री

ओम ऐं ह्रीं क्लीं शैलपुत्र्यै नम:

माँ दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरुप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर। शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है। इससे पहले कि यह अपने चरम स्तर पर न पहुँच जाए तब तक आप इसे समझ नहीं सकते क्योंकि चेतना की अवस्था का यह सर्वोत्तम स्थान है जो ऊर्जा के शिखर से उत्पन्न हुआ है। यहाँ पर शिखर का मतलब है, हमारे गहरे अनुभव या गहन भावनाओं का सर्वोच्चतम स्थान। जब व्यक्ति 100त्न क्रोध में होता है तो महसूस करेंगे कि क्रोध शरीर को कमजोर कर देता है। दरअसल हम क्रोध को पूरी तरह से व्यक्त नहीं करते, जब 100त्न क्रोध में होते हैं, और पूरी तरह से क्रोध को व्यक्त करें तो इस स्थिति से जल्द ही बाहर निकल सकते हैं। जब 100त्न किसी भी चीज में होते हैं, तभी उसका उपभोग कर सकते हैं। ठीक इसी तरह जब क्रोध को पूरी तरह से व्यक्त करेंगे तब ऊर्जा की उछाल का अनुभव करेंगे और साथ ही तुरंत क्रोध से बाहर निकल जाएँगे। क्या कभी देखा है कि बच्चे कैसे व्यवहार करते हैं? जो भी वे करते हैं, 100त्न करते हैं। अगर वे क्रोध में हैं, तो वे उस पल में 100त्न गुस्से में हैं, और फिर तुरंत कुछ ही मिनटों के बाद वे उस क्रोध को भी छोड़ देते हैं। अगर वे नाराज हो जाते हैं, तो भी वे थकते नहीं। लेकिन अगर आप क्रोध हो जाते हैं तो आपका क्रोध आपको थका देता है। ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि आप अपना क्रोध 100त्न व्यक्त नहीं करते। अब इसका मतलब यह नहीं है कि आप हर समय नाराज ही रहें। तब आपको उस परेशानी का भी सामना करना पड़ेगा जिसकी वजह से क्रोध आता है। जब आप किसी भी अनुभव या भावना के शिखर तक पहुँचते हैं तो आप दिव्य चेतना के उद्भव का अनुभव करते हैं, क्योंकि यह चेतना का सर्वोत्तम शिखर है। शैलपुत्री का यही वास्तविक अर्थ है।

फिर शुरू होगी लोकतंत्र की मरम्मत: मुख्य चुनाव आयुक्त पर राहुल गांधी का हमला, बोले- ज्ञानेश कुमार जाएंगे

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल हिरासत में, ममता समेत कई नेता भी हुए डिटेन

- ♦ सरकार डरी हुई है, उनका अधिकार छीना जा रहा:दिल्ली प्रदर्शन पर बोले मशहूर अर्थशास्त्री
- ♦ भाजपा ने राहुल गांधी को कहा नालायक नेता, पुलिस ने ममता के बाद केजरीवाल को हिरासत में लिया

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर जारी राजनीतिक टकराव के बीच विपक्षी गठबंधन लगातार हमलावर है। इस बीच, राहुल गांधी ने एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार और सीईसी पर तीखा हमला बोला है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ज्ञानेश कुमार जाएंगे। यह सरकार जाएगी। फिर शुरू होगी लोकतंत्र की मरम्मत। राहुल गांधी का यह बयान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष के जारी विरोध प्रदर्शन के बीच आया है।

राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब इंडिया गठबंधन के नेता कथित वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका से जुड़ी अपनी चिंताओं को उठाया।राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी हो रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके मुख्य सूत्रधार हैं, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इसे अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को आगे भी उठाता रहेगा। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि 12 अक्तूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को ज्ञापन सौंपा जाएगा।इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से विजय चौक तक 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया था। विपक्षी दलों ने एसआईआर पर रोक लगाने, मतदाता सूची से हटाए गए नामों को बहाल करने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग भी उठाई है।

गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन के सांसद पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव से लोगों के मतदान के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, राहुल गांधी के ताजा बयान ने इस राजनीतिक टकराव के बीच केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के आक्रामक रुख को फिर सामने ला दिया है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर अर्थशास्त्री जीन द्रेज ने कहा कि सरकार की अत्यधिक ताकत का प्रदर्शन उसका डर दिखाता है, क्योंकि जनता समझ रही है कि उनसे वोट का अधिकार छीना जा रहा है।देश की राजधानी नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 10 अक्तूबर यानी आज विरोध प्रदर्शन बुलाया है। इस प्रदर्शन में जाने माने अर्थशास्त्री जीन द्रेज भी शामिल हुए। प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा, %उन सभी लोगों की ओर से जो यहां नहीं पहुंच पाए हैं, क्योंकि यहां जरूरत से कहीं ज्यादा ताकत का प्रदर्शन किया गया है, यह पूरी तरह से अनुपात से बाहर है।% उन्होंने कहा कि सरकार के इतने डरे होने की वजह हिंसा या सुरक्षा का कोई खतरा नहीं है, बल्कि सरकार को इस बात का डर है कि देश के लोग यह समझ जाएंगे कि उनसे वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।नेहा बोरा, ममता समेत कई पुलिस हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान यूट्यूबर ध्रुव राठी, ममता बनर्जी, अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका समेत कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है। नेहा बोरा को भी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा चंडीगढ़ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में प्रदर्शन कर रहे मनीष सिसोदिया और पंजाब आप के कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी हिरासत में ले लिया गया है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आज 10 अक्तूबर को प्रदर्शन के एलान बाद अलर्ट है। प्रदर्शन की दिल्ली पुलिस की ओर से अनुमति नहीं दी गई है। राजधानी दिल्ली की सभी सीमा पर जगह-जगह पुलिस की चेकिंग हो रही है। सीजेपी के प्रदर्शन से पहले जंतर-मंतर पर कुछ प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए। दिल्ली में 45 मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है, कुछ जगहों पर इंटरनेट सेवाएं भी बंद की गई हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके को दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को हिरासत में ले लिया है।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी द्वारा बुलाए गए जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कनॉट प्लेस में दुकानें बंद रहीं।नई दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में मार्ग परिवर्तन और बैरिकेडिंग के कारण लोग इधर-उधर भटकते दिखे। शंकर रोड गोलचक्कर पर पुलिसकर्मी और अर्ध सैनिक बल के जवान बैरिकेड लगाकर संदिग्ध लोगों व वाहनों की जांच कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, दिल्ली एयरपोर्ट लाइन मेट्रो स्टेशन शिवाजी पार्क के बाहर पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को हिरासत में लिया। कनॉट प्लेस में डिटेन किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा, 卐कुछ दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने एक बंद बुलाया था। कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन था। आज कुछ दूसरे तत्वों ने प्रदर्शन किया है। फिर 12 तारीख को एक प्रदर्शन बुलाया गया है। एक कालखंड में किस तरह से भारत में स्थितियों को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मगर उसके पीछे के नीयत को भी समझिए। अराजकतत्वों के अंदर भी अराजकता है कि किसे श्रेय मिले। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच में गुत्थमगुत्थी चल रही है... कल कुछ राजनेता राष्ट्रपति भवन गए थे। वहां से बाहर निकलने के बाद राहुल गांधी का बयान एक नालायक नेता के बयान के बराबर है... कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि राष्ट्रपति को सड़क की लड़ाई में घसीटने की कोशिश हुई हो मगर एक नालायक नेता ने राष्ट्रपति महोदया को सड़क की लड़ाई में घसीटने की कोशिश की..मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारी आज दिल्ली के जंतर-मंतर पर जमा होने की योजना बना रहे हैं। इसी बीच अभिजीत दिपके को दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।दिल्ली में केरल भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन के बाद केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाती रही और उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई कि आगे कहां ले जाया जा रहा है।जॉन ब्रिटास ने बताया कि पिनराई विजयन, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री एवं सीपीआई (एम) के वरिष्ठ नेता केएन बालगोपाल और उन्हें पुलिस जीप में बैठाकर दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें चक्कर लगवाने के बाद छत्रसाल स्टेडियम ले गई। करीब 30 से 45 मिनट बाद उन्हें फिर पुलिस जीप में बैठाया गया। ब्रिटास के मुताबिक, उन्हें नहीं पता था कि पुलिस अब उन्हें कहां ले जा रही है।सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी को दिल्ली के साउथ एवेन्यू से हिरासत में लिए गया। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ममता बनर्जी की हिरासत का वीडियो शेयर करते हुए दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए। पार्टी ने पोस्ट में लिखा दिल्ली पुलिस, आपकी हिम्मत कैसे हुई? उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना कब से आम बात हो गई? जब शांतिपूर्ण विरोध का जवाब बातचीत के बजाय गिरफ्तारियों से दिया जाता है, तो यह हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

राहुल गांधी पर भड़के नितिन नवीन: बोले- विदेशी ताकतों के साथ देश को अस्थिर करने की कोशिश, जनता जवाब देगी

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल विदेशी ताकतों के जरिए देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। नवीन ने कहा कि राहुल के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में सीजेपी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले नवीन ने सीजेपी को भी आड़े हाथों लिया है।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल गांधी के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। मस्क ने उद्योगपति मुकेश

अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। इस पर राहुल गांधी ने कहा था, 'भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी।' राहुल के इस रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे हैं। राहुल गांधी के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे- नितिन नवीन-भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, %राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा उन्हें देख रहा है। आप इस देश के सांविधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे हैं और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका जवाब जनता देगी। जिन विदेशी ताकतों के दम पर आप राजनीति कर रहे हैं और भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, आपके ये मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।नितिन नवीन ने कहा कि मैं चेतावनी देता हूं कि भाजपा और जनता, दोनों आपको जवाब देंगे। भारत सरकार कड़ाई से निपटेगी और आपके मंसूबों को रोकेगी। हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। सीजेपी को भी भारत का युवा देख रहा है। आम आदमी पार्टी समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का एलान किया है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। एसआईआर और मतदाता सूची में नामों को लेकर उठे विवाद के बीच इस प्रदर्शन के लिए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई। और सीजेपी की रणनीति अलग-अलग है, हालांकि दोनों के विरोध के केंद्र में ज्ञानेश कुमार और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल हैं।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर निशाना, बोले- किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने युवाओं के आंदोलन का समर्थन करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ताकत के बल पर जनता को रोकना सरकार की भूल होगी। अखिलेश ने दिल्ली में देश के जुटने की बात कही और जंतर-मंतर को नई चेतना और जागरण का प्रतीक बताया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि भाजपा सरकार यह समझ रही है कि वह ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी,

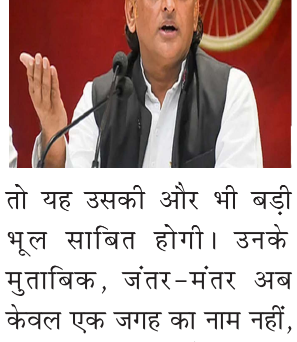

तो यह उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। उनके मुताबिक, जंतर-मंतर अब केवल एक जगह का नाम नहीं, बल्कि नई चेतना और जागरण का प्रतीक बन गया हैसपा प्रमुख ने अपनी पोस्ट में कहा कि यदि सरकार आंदोलनकारियों को रोकने का प्रयास करेगी, तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा। उनके इस बयान को युवाओं के आंदोलन के समर्थन और सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाने के रूप में देखा जा रहा है।खिलेश ने अपनी पोस्ट में कविता के जरिए भी युवाओं के हौसले और तैयारी का जिक्र किया। उन्होंने लिखा- माना बादशाहों का बंदोबस्त है बख्तरबंद, पर उन्होंने देखा न नौजवानों का दमखम। यहां हौसलों की भी तैयारी है चाकचौबंद, हैं साथ सब, मानकर इसको अंतिम जंग। अखिलेश यादव के इस बयान में युवाओं की एकजुटता, आंदोलन और सरकार के रवैये को लेकर उनका राजनीतिक रुख सामने आया है। हालांकि, पोस्ट में जिस आंदोलन का उल्लेख किया गया है, उससे जुड़े घटनाक्रम और सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

संपादकीय Editorial

Jantar Mantar became "Akashvani"

The opposition's "Indi" alliance organized a "Save Democracy March," but it proved to be nothing more than a mob. Ultimately, the protest remained a "barren" one. If the opposition wanted to meet the Chief Election Commissioner (CEC) and two Election Commissioners and submit their memorandum, they should have requested time, as per the constitutional body's protocol. Nearly 200 or 300 MPs cannot go to the Election Commission together, nor is any meaningful dialogue possible. Therefore, a delegation of 5-7 opposition leaders should have been formed to engage with the Election Commission. Climbing barricades, displaying wrestling postures, and shouting incoherent slogans does not intimidate the authorities, nor can CEC Gyanesh Kumar Gupta resign out of fear. He too enjoys the protection of the Constitution. The question also concerns the intention of the movement and the anarchy of the mob. When the opposition was supposed to march to the Election Commission headquarters, why did the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, his MP sister Priyanka Gandhi, and some loyal Congress MPs suddenly enter Akashvani Bhavan? Government offices are there, and disrupting them is a punishable offense. The Congress party may have been using a trick to reach the Election Commission, as the main gate of the Commission was only a few meters away from the back door of Akashvani, but security is relatively strict. That gate was permanently closed. Ultimately, Rahul Gandhi and his fellow protesters, defeated, had to stage a so-called sit-in inside Akashvani Bhavan, under the shade of an old banyan tree. It was out of respect for the constitutional position of the Leader of the Opposition that police officers, and later, top Home Ministry officials, explained to Rahul Gandhi that Akashvani Bhavan was not Jantar Mantar. It was not an authorized place for protests, and therefore, he should end the sit-in. But Congress MPs like Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi, Venugopal, Deepender Hooda, Pawan Khera, and others remained seated under a tree for nearly nine hours, eating and drinking. What kind of protest was this? Even the sloganeering had become exhausted and silent. The MPs were feeling lethargic. Finally, following orders from the Home Ministry, the Delhi Police forcibly picked them up, detained them, and sent them to the Kingsway Camp Police Lines. They were all released around 10 p.m. What was achieved? Can the Election Commission succumb to such a mob? Can millions of voters be granted the right to vote? The day's drama was over, and then some old videos appeared on TV channels. In them, Rahul Gandhi himself, three-time Chief Minister of Rajasthan Ashok Gehlot, and Congress leader Sachin Pilot, among others, complain about "duplicate" and "fake" voters. Senior Congress MP Shashi Tharoor has also stated that the party benefited from removing "fake" names from voter lists in Kerala, enabling it to form a government. In the video, Congress leaders were demanding the elimination of "duplicate" names. Now, many discrepancies, mistakes, and negligence have come to light in the Election Commission's campaign, but the matter is currently under consideration by the Supreme Court.Let it, more or less, administer "justice." If the court's "justice" also seems unjust, the path to agitation is always open. I feel like highlighting another historical fact. If Congress has been out of power in Tamil Nadu since 1967, in Bengal since 1977, in Uttar Pradesh since 1989, in Gujarat since 1995, and in Odisha since 2005, this is not due to "vote theft." The public has rejected it, and therefore, public opinion has consistently been against Congress.

Violation of Standards Is Not Right: Emphasis on Stopping Commercial Activities in Residential Areas, Enforcement Necessary in States

The Supreme Court recently directed all states to prioritize preventing commercial activities, especially in residential areas. This is a significant initiative, given the blatant violation of applicable standards being carried out across the country. The Supreme Court recently directed municipal bodies across the country to take action on a priority basis in cases of commercial use of residential properties. The Court stated that where violations are found, the property concerned should be sealed. A bench of Justices Hassanuddin Amanullah and R. Mahadevan stated that areas where it is not clearly demarcated whether they are intended for residential or commercial use should also be investigated. However, no action has been taken in such cases for the time being. The Supreme Court clarified that all authorities should complete this process without any discrimination. If selective action is taken, the Supreme Court will take the matter seriously. The Court has previously expressed concern over widespread violations of building regulations and land use rules. The Supreme Court noted that construction activities are being carried out in many places in flagrant violation of applicable rules and regulations, including in restricted areas. While hearing a petition related to illegal construction in Chennai, the Supreme Court decided to expand the scope of the matter to a nationwide one. The Court noted that it has come across numerous instances where houses and land in residential colonies are being used for unauthorized commercial purposes. The Supreme Court also ordered the sealing of residential spaces being used for commercial activities. The Supreme Court issued this directive while hearing a case regarding the enforcement of building regulations and land use restrictions. In this case, the Court is examining the issue of land or building plans being used for purposes other than those for which they were allotted or approved. The Court also warned authorities against adopting a "selective action" approach. In areas where the intended use is not clearly defined (such as commercial or residential), the issue of mixed use may also need to be considered. However, for now, there will be no change in the current situation. Paperwork can continue. In the case of a building/land/area where a legal dispute is pending, whether between private individuals regarding ownership or other matters, or between the government and a relevant party, the pending dispute will not prevent authorities from sealing the premises, provided the use is contrary to the purpose for which the land/building was allotted and for which the competent authority approved the plan.

The decision as to whether a property will be used for residential, commercial, or both is based on the rules of the local municipal corporation or authority. Often, you may need to obtain permission before starting a business from home. Therefore, it's important to initially understand which activities are generally permitted from home to avoid further problems.

The question is, what commercial activities are permitted in residential properties in India?

Housing society rules also dictate how the home can be used for commercial purposes. Therefore, property owners are generally required to obtain a No Objection Certificate (NOC) from resident committees first. In some cases, depending on local regulations and the type of property, commercial activities are permitted only in a portion of the home. Professional services permitted in residential properties include professional consultancy services such as doctors (clinics), lawyers, chartered accountants, and architects, as these are not crowded and operate on a small scale.

Educational activities are also included. Small-scale home-based activities such as tuition classes, yoga, dance, or painting classes are also generally permitted, provided they do not cause any disturbance or noise to the surrounding residents.

Work that doesn't involve significant crowds or hassle, such as freelancing, running a home office, online businesses (where customers don't come in person), and small clothing boutiques, is also included. However, compliance with established regulations is essential. Cloud kitchens or home-based food delivery can also be undertaken, but they must comply with the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) regulations.

In most states, such activities are permitted only in a portion of the home, typically around 25 to 50 percent of the total built-up area. On the other hand, operating a factory or production unit in a home is not permitted. Land use change approval is required first, and once permission is granted, the property is considered commercial for legal and tax purposes.

Storing flammable (flammable), toxic, or polluting materials. The sale or use of these is prohibited because it poses both safety and environmental risks. Some businesses, such as liquor stores, banquet halls, and vehicle repair workshops,

are generally not permitted to operate in residential areas because their operations impact the surrounding population.

30 lakh rupees in Mamata Banerjee's account: It went and it was received, but why?

Around 30 lakh rupees were transferred to Mamata Banerjee's account from Octave Records, and former minister Indranil Sen described it as "royalty." The money was transferred and received through banking channels—but the real question is why? For which song, tune, or composition was the royalty, for which rights was the payment made, what was the rate, and on what basis was the 30 lakh rupees calculated? A bank transaction has raised new questions in Bengal politics. According to the Enforcement Directorate (ED), approximately 30 lakh rupees were transferred from the account of Octave Records, owned by former minister Indranil Sen, to the account of then-Chief Minister Mamata Banerjee through banking channels. Sen, during interrogation, described this amount as "royalty." The money was lost—this can be confirmed by bank records. The money was received—this can also be clarified by bank records.But the biggest question is—Why was it received? This question has become the center of this entire matter.

The word 'royalty,' but what is the basis? Royalty can be paid in exchange for the use of a song, book, musical composition, or other intellectual property. The Trinamool Congress (TMC) has also stated that Mamata Banerjee has been receiving royalties for her books, songs, and musical compositions, and that Octave Records marketed her songs. According to the party, the payment was made through banking channels, and TDS was deducted. But this is where the real question of investigation begins.

Royalty for which song? For which tune? For which rights? At what rate? And why only 30 lakh rupees? If the payment was a regular royalty, there should be some accounting basis behind it—a calculation of rights, sales, or payment.

This documentary link becomes crucial. The bank statement will show 'how much,' not 'why'—it's important to understand this difference.Bank records may show that approximately 30 lakh rupees were transferred to Mamata Banerjee's account from Octave Records. But the bank statement itself does not prove that the amount was royalty. Separate evidence is needed for that. What was the contract?Which composition's rights were granted? How many sales occurred? What was the royalty rate? What was the total sales? And how did that calculation yield ?3 million? These are the questions the investigation must answer.If CDs were sold, how many were sold?Another crucial link in the case is the sales of the song CDs. If ?3 million was paid as royalty, it's important to know the total sales of the songs or music material involved.

Were there online sales? Were there sales through stores? If CDs were sold for cash to activists or supporters, how many CDs were sold and how much money was generated from them?ster? Is that amount recorded in the company's books? And most importantly—where is the account of the sales based on which the royalty was generated? This is where the question of calculating ?3 million becomes even more serious. Cash deposits of ?3.8 crore increase the severity of the investigation. The ED has stated that over ?3.8 crore in cash was deposited into the bank accounts of Indranil Sen and his proprietorship firm during his tenure as minister. The agency is investigating this extensive money trail. The ED has also stated that during Sen's tenure, several tenders worth over ?85 crore related to the Tourism and Culture Department were awarded to companies owned by individuals said to be close to Sen. The agency is also investigating these transactions and subsequent fund flows.During this investigation, a payment of ?30 lakh from the Octave Records account to Mamata Banerjee has come to light.

But there is an important distinction here—depositing money into an account or transferring it to another account does not in itself prove a crime. The investigation must establish the source of the money and the actual purpose of the payment. Now the real test—proof of 'royalty'. Indranil Sen has told the ED that the reason for the payment was 'royalty'. But the strength of this claim will depend on the documents and accounting records available to support it. The ED's public information has not yet alleged any criminality in relation to the payment.

The question, therefore, is not about drawing conclusions about Mamata Banerjee, but rather about determining the nature of the transaction. Was this a regular royalty? If so, what was its basis? And if it was a royalty—By what formula was the

जमकर गिरे ओले: मुरादाबाद मंडल में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान, संभल में एक की मौत

मुरादाबाद मंडल के चारों जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हुआ। संभल में पेड़ गिरने से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि रामपुर के बिलासपुर और अमरोहा में ओलावृष्टि से धान समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा। मुरादाबाद में भी तेज बारिश से सड़कों और खेतों में पानी भर गया। पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से कई जगह घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही।मुरादाबाद मंडल के रामपुर, संभल, अमरोहा व मुरादाबाद जिलों में शुक्रवार को आंधी-बारिश का कहर रहा। रामपुर के बिलासपुर में भारी ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। इस दौरान नैनीताल रोड पर सफेद चादर सी बिछ गई। अमरोहा और संभल में भी बारिश और आंधी संग ओलावृष्टि हुई।

संभल में ई रिक्शा पर पेड़ गिरने से चालक की जान चली गई। मुरादाबाद में भी मौसम के बदले मिजाज से दोपहर में अंधेरा छा गया। करीब एक घंटे की बारिश में सड़क से खेतों तक पानी भर गया। जिलों में आंधी और बारिश से जगह-जगह पेड़ और बिजली के खंभे धराशायी हो गए जिससे घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। संभल के असमोली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे ई-रिक्शा चालक भोलू (53) कहीं जा रहा था। तभी अचानक उठी आंधी और बारिश के बीच धर्मशाला अड्डे के पास पाकड़ का एक बड़ा पेड़ सड़क पर आ गिरा। इसकी चपेट में आए भोलू की मौत हो गई। हादसे के बाद काफी देर तक यातायात बाधित रहा।सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने जेसीबी की मदद से पेड़ को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। रामपुर जिले के बिलासपुर क्षेत्र में आंधी और बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है। इससे फसलों के भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि जिले में मौसम की मार से करीब 15-20 प्रतिशत तक फसली नुकसान की संभावना है।पूरे जिले में कहीं कम तो कहीं अधिक बारिश हुई है लेकिन बिलासपुर क्षेत्र में ओलावृष्टि अधिक हुई है। अमरोहा में भी शुक्रवार को करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के बाद हुई बारिश से खेतों में तैयार धान की फसल जमीन पर बिछ गई। दोपहर में तेज गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के बीच रुक-रुककर बारिश होती रही।अमरोहा शहर, डिडौली, नौगावां सादात, कैलसा क्षेत्र में ओलावृष्टि भी हुई। धान कटाई से ठीक पहले ओलावृष्टि की मार से किसानों को फसल खराब होने की चिंता सताने लगी है। किसानों ने प्रभावित खेतों का सर्वे कराकर नुकसान के अनुसार मुआवजा दिलाने की मांग की हैमुरादाबाद में शहर से देहात तक अचानक बदले मौसम से दिन में ही अंधेरा छा गया। दोपहर बाद करीब एक घंटे की झमाझम बारिश से खेतों और सड़कों पर पानी भर गया। आंधी-बारिश में बड़ी संख्या में बिजली के खंभे धराशायी हुए, जिससे शहर से देहात तक घंटों बिजली आपूर्ति बाधित हुई।

धान की तैयार फसल पर अधिक मार, गन्ना, बाजरा, अगेती आलू और हरी सब्जियों को भी नुकसान - शुक्रवार को अचानक बदले मौसम के मिजाज ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी है। धान की तैयार फसलों पर सबसे अधिक मौसम की मार पड़ी। वहीं गन्ना, बाजरा, अगेती आलू और हरी सब्जियों को भी काफी नुकसान की आशंका है। ठाकुरद्वारा कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. रवींद्र कुमार का कहना है कि शुक्रवार की बारिश से बासमती धान की फसल को काफी क्षति पहुंची है। तापमान में गिरावट ठंड का अहसास- आंधी-बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 28.6 और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। एक दिन पहले अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस था। अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में गिरावट के कारण ठंड का अहसास होने लगा है। बीमा कंपनी के साथ मंडल के प्रत्येक जिले के अधिकारियों की टीम नुकसान का जायजा लेगी। सभी जिलों को नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। - रविकांत, उप निदेशक कृषि

मुरादाबाद डीएम अनुझय झा ने किया प्रशासनिक फेरबदल: चार SDM बदले, अभय सिंह फिर सदर के मुखिया

मुरादाबाद में डीएम अनुनय झा ने सदर, कांठ, ठाकुरद्वारा और बिलारी समेत चारों तहसीलों के उपजिलाधिकारियों को बदल दिया है। खास बात यह है कि अभय सिंह को दो माह बाद फिर से सदर एसडीएम की कमान सौंपी गई है, जबकि हरदोई से आए मयंक कुंडू कांठ के नए एसडीएम बने हैं।मुरादाबाद में चार तहसीलों के एसडीएम बदले गए अभय सिंह को दोबारा सदर एसडीएम की जिम्मेदारी मिली- मयंक कुंडू कांठ के नए उपजिलाधिकारी नियुक्तजिले की प्रशासनिक मशीनरी में बदलाव के बाद उपजिलाधिकारियों में जिस ऊंहापोह की स्थिति थी, उस पर शुक्रवार को मुहर लग गई। डीएम अनुनय झा ने सदर, कांठ, ठाकुरद्वारा और बिलारी समेत चारों तहसीलों के एसडीएम हटा दिये और दूसरों को मौका दिया है। चौकाने वाली बात यह है हटाए गए एसडीएम भी लंबे समय से तैनात नहीं थे। उन्हें भी कुछ माह पहले ही मौका मिला था। अप्रत्याशित रूप से दो माह में ही सदर से हटाए गए एसडीएम अभय सिंह को सदर की दोबारा कमान सौंपी गई है, वहीं हरदोई से आए मंयक कुंडू को कांठ का एसडीएम बनाया गया है। जिले में लंबे समय बाद ऐसा हुआ है कि तैनात कोई एसडीएम साल तो दूर छह माह का कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाए। किसी भी तहसील में अब महिला एसडीएम नहीं हैं। प्रीति सिंह के बाद स्निग्धा चतुर्वेदी को कांठ की कमान मिली थी।चार, साढ़े तीन और दो-दो महीने के कार्यकाल में ही हटाए गए एसडीएम-हटाए गए प्रिंस वर्मा को साढ़े चार माह पूर्व बिलारी तहसील की कमान मिली थी। अब उन्हें हटाकर अपर उप जिलाधिकारी सदर बनाया गया है। उसके साथ प्रभारी अधिकारी निर्वाचन का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। बीते दिन ही उन्होंने सरकारी भूमि कब्जामुक्त कराई थी। साढ़े तीन माह पूर्व कांठ की कमान पाने वाली स्निग्धा चतुर्वेदी को एसीएम द्वितीय बनाया गया है। साथ में पीओ डूडा का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। मुरादाबाद-हरिद्वार हाईवे स्थित 30 करोड़ की सरकारी भूमि कब्जामुक्त कराकर वह चर्चा में आईं थीं। हाल में ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन के विरुद्ध चले अभियान में भी उन्होंने खूब कार्रवाई की।सदर, कांठ के साथ ठाकुरद्वारा व बिलारी में भी नए एसडीएम की तैनाती- दो माह पूर्व सदर तहसील की कमान पाने वाले अभिषेक सिंह को हटाकर एसडीएम न्यायिक कांठ बनाया गया है। अभिषेक के साथ ही ठाकुरद्वारा की कमान पाने वाले वेद प्रकाश पांडेय को एसडीएम न्यायिक बिलारी बनाया गया है। एसीएम द्वितीय अंजनी कुमार मिश्रा को एसडीएम ठाकुरद्वारा बनाया गया है। एसडीएम न्यायिक कांठ अमित सिंह को एसडीएम बिलारी बनाया गया है। एसडीएम न्यायिक बिलारी अभय सिंह फिर सदर संभालेंगे।डॉक्टर वंदना मिश्रा को दी ये जिम्मेदारी- डॉ. वंदना मिश्रा को एसडीएम मुख्यालय के साथ बंदोस्त अधिकारी चकबंदी व विशेष कार्याधिकारी एमडीए की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। हरदोई से हाल में ही आए मयंक कुंडू को कांठ की कमान दी गई है। एक साथ चारों एसडीएम का बदला जाना प्रशासनिक खेमे ही नहीं जिले में चर्चा का विषय बना है।

काम की खबर: अब मुरादाबाद में 10 दिन में मिलेगा बिजली कनेक्शन, बकाया पर नोटिस जरूरी

मुरादाबाद में अब बिजली कनेक्शन 10 दिन के भीतर मिलेगा और बकाया होने पर कनेक्शन काटने से पहले नोटिस देना अनिवार्य होगा। डीएम अनुनय झा ने विद्युत विभाग को उपभोक्ता सेवाओं में सुधार और लंबित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए।बिजली कनेक्शन अब अधिकतम 10 दिन में जारी होगा। बकाया होने पर कनेक्शन काटने से पहले नोटिस अनिवार्य। गलत बिलों के सुधार और जर्जर खंभों का सर्वे होगा।बिजली कनेक्शन के लिए अब उपभोक्ताओं को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आवेदन मिलने के अधिकतम 10 दिन के भीतर नियमानुसार नया विद्युत संयोजन जारी करना होगा। गलत बिलों को दुरुस्त करने में भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम अनुनय झा ने शुक्रवार को विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को उपभोक्ता सेवाओं में सुधार और लंबित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने नए कनेक्शन और बिजली बिल संशोधन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष कैंप लगाने को कहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि बकाया जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने से पहले नोटिस देना अनिवार्य होगा। उपभोक्ता मौके पर मौजूद नहीं है तो संबंधित परिसर पर नियमानुसार नोटिस चस्पा किया जाए।जर्जर और झुके बिजली के खंभों का होगा सर्वे- डीएम ने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में झुके व जर्जर बिजली के खंभों का सर्वे कराकर उनकी मरम्मत अथवा बदलने के निर्देश दिए, जिससे हादसों की आशंका कम हो। विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए अक्टूबर में सात उपकेंद्रों पर सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक कैंप लगाए जाएंगे।गलत बिलों पर भी चलेगा सुधार अभियान-कैंप में नए कनेक्शन, बिजली बिल संशोधन, आपूर्ति और अन्य समस्याओं की शिकायतें सुनी जाएंगी। संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहेंगे। विभागीय उच्चाधिकारी भी निरीक्षण कर शिकायतों के निस्तारण की प्रगति देखेंगे। उपभोक्ता निर्धारित तिथि और समय पर संबंधित उपकेंद्र पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सुरक्षित सीटों पर सपा असुरक्षित, दो चुनाव में लगातार मिली हार; इन सीटों पर कैसी है साइकिल की स्थिति?

मुरादाबाद मंडल की सुरक्षित सीटों पर सपा असुरक्षित है। दो चुनाव में लगातार हार मिली है। मंडल में विधानसभा की पांच सीटें आरक्षित, चार पर भाजपा का कब्जा है। 2022 के चुनाव में सिर्फ नगीना सुरक्षित सीट पर ही सपा को जीत मिली थी। मंडल में धनौरा, मिलक, चंदौसी, नहटौर सीट पर लगातार पार्टी को हार मिल रही है।सपा का गढ़ कहे जाने वाले मुरादाबाद मंडल की पांच सुरक्षित सीटों में चार पर पार्टी असुरक्षित है। नगीना को छोड़ बाकी चार सीटों पर पार्टी को लगातार हार मिल रही है। कहीं दो बार तो कहीं तीन बार से सपा हार रही है।

आने वाले विधानसभा चुनाव में ये चार आरक्षित सीटें सपा के लिए चुनौती बनेंगी। फिलहाल इन सीटों पर पार्टी पीडीए को धार देने में जुटी है। मुरादाबाद मंडल में कुल 27 विधानसभा सीटें हैं। इसमें पांच सीटें (नगीना, नहटौर, धनौरा, मिलक और चंदौसी) आरक्षित हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में इन पांच में चार पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। सपा को सिर्फ नगीना सीट पर ही जीत मिली थी। पिछले कुछ वर्षों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि मंडल की आरक्षित सीटों पर सपा का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा है।रामपुर जिले की मिलक, अमरोहा की धनौरा और बिजनौर की नहटौर विधानसभा सीट 2012 में अस्तित्व में आई। इन सीटों पर तीन बार चुनाव हो चुके हैं। नहटौर पर सपा को अभी तक एक बार भी जीत नहीं मिली है। जबकि धनौरा और मिलक में लगातार दो चुनाव से पार्टी को हार का सामना करना पड़ रहा है। वहीं चंदौसी सीट पर आखिरी बार सपा ने 2012 में जीत दर्ज की थी।मंडल की इकलौती नगीना सुरक्षित सीट है जिसपर सपा सुरक्षित है। इस सीट पर पार्टी लगातार तीन बार से जीत दर्ज कर रही है। बाकी चार सीटें पार्टी के लिए चुनौती बनी हुई हैं। 2027 के चुनाव में सपा इन चार सीटों पर भाजपा की काट ढूंढने में लगी है। इसके लिए पार्टी पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) को धार देने में जुटी है। इन आरक्षित सीटों पर मुस्लिमों के साथ-साथ पिछड़ों को जोड़ने में लगी है। आरक्षित सीटों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष की नजर है। पार्टी स्तर पर इन सीटों के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है। एससी के साथ-साथ दूसरी बिरादरियों को भी जोड़ा जा रहा है। - जयवीर यादव, सपा जिलाध्यक्ष

मंडल की पांच आरक्षित सीटों पर सपा की स्थिति-विधानसभा सीट सपा की स्थिति-
नहटौर 03 चुनाव हुए, तीनों में हारमिलक 2012 में मिली थी जीत चंदौसी
2012 में मिली थी जीत धनौरा
2012 में मिली थी जीत नगीना
लगातार तीन बार मिल रही जीत
2022 में सपा ने मंडल में किस वर्ग से कितने प्रत्याशी उतारे थे
वर्ग संख्या जीत
मिली- मुस्लिम 13
11 ओबीसी 08
05 एससी 04
01 नोट = बिजनौर और नहटौर से रालोद के उम्मीदवार मैदान में थे।

संक्षिप्त समाचार

सिपाही भर्ती में दौड़ लगाने पहुंची युवती पर पुलिस को हुआ शक, एडमिट कार्ड देखते ही कर लिया गिरफ्तार

मुरादाबाद में यूपी पुलिस सिपाही भर्ती की दौड़ में एक युवती फर्जी एडमिट कार्ड के साथ पकड़ी गई। लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद उसने धोखाधड़ी से प्रवेश का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और प्राथमिकी दर्ज की।मुरादाबाद में सिपाही भर्ती में फर्जी एडमिट कार्ड।लिखित परीक्षा में फेल युवती दौड़ में पकड़ी गई। पुलिस ने आरोपी युवती को किया गिरफ्तार।उत्तर प्रदेश यूपी पुलिस सिपाही भर्ती में परीक्षा में फेल होने के बाद भी अमरोहा की युवती साहिबा फर्जी एडमिट कार्ड लेकर दौड़ लगाने के लिए पहुंच गई। जैसे ही वह नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान के गेट पर पहुंची तो चेकिंग के दौरान महिला अभ्यर्थी के पास से फर्जी एडिट कार्ड मिला। ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो महिला ने फर्जी एडमिट कार्ड होने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ सिविल लाइंस पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। यह है पूरा मामला-अमरोहा के दहात क्षेत्र के कारहट उर्फ रामहट निवासी कु. साहिबा ने यूपी पुलिस सिपाही भर्ती के लिए आवेदन किया था। उसने लिखित परीक्षा दी, लेकिन वह परीक्षा में फेल हो गई। इसके बाद भी उसने सिपाही बनने के लिए फर्जीवाड़ा की कोशिश की। नौवीं वाहिनी के मैदान में यूपी पुलिस में सिपाही पद के लिए भर्ती के लिए दौड़ प्रक्रिया चल रही है।महिला एसआई रेनूपाल अपनी टीम के साथ गेट पर महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग कर रही थी। गुरुवार की सुबह साहिबा ने प्रवेश पत्र दिखाकर प्रवेश करने की कोशिश की। साहिबा के प्रवेश पत्र में अनुक्रमांक की संख्या कम थी। शक होने पर उन्होंने साहिबा को साइड में लेकर जाकर पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने बताया कि वह लिखित परीक्षा में फेल हो गई थी। बरेली में रहने वाली उसकी सहेली अस्मिता मलिक के भाई कादिर हुसैन ने वाट्सएप प्रवेश भेजा था।सूचना मिलने पर सिविल लाइंस पुलिस मौके पर पहुंच गई और साहिबा को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने महिला साहिबा और कादिर अली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली कूच से पहले भाकियू नेताओं को पुलिस ने किया नजरबंद

रामपुर। दिल्ली में वोट चोरी के खिलाफ चल रहे आंदोलन में भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के समर्थन के एलान का असर रामपुर में भी दिखने लगा है। शुक्रवार रात दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे भाकियू नेताओं को रोकने के लिए पुलिस उनके घर पहुंच गई। प्रदेश महासचिव हसीब अहमद को गवर्नमेंट प्रेस रोड स्थित घर पर रोके जाने को लेकर किसानों और पुलिस के बीच काफी देर तक नोकझोंक हुई। मामला बढ़ने पर सीओ सिटी अभिषेक श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंच गए। इसी मामले में पुलिस ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं को भी नजरबंद कर दिया।भाकियू टिकैत के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर वह दिल्ली में चल रहे वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान रात आठ बजे पुलिस उनके घर पहुंच गई और दिल्ली जाने से रोक दिया। हसीब अहमद ने इसका विरोध किया। इस दौरान पुलिस और किसान नेताओं के बीच काफी देर तक बहस होती रही।हसीब अहमद ने कहा कि पुलिस ने उनके घर से निकलने का रास्ता ब्लॉक कर दिया है और उन्हें धमका रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने दिल्ली में चल रहे आंदोलन को समर्थन देने और उसमें शामिल होने का एलान किया है। इसके बाद संगठन के पदाधिकारी भी आंदोलन में भाग लेने की तैयारी में जुटे थे। किसान नेताओं को दिल्ली जाने से रोकने के लिए पुलिस के पहुंचने और सीओ सिटी के मौके पर आने से रात में गहमागहमी बनी रही। खबर लिखे जाने तक किसानों ने रास्ते में बैठकर धरना शुरू कर दिया था। इस दौरान दरबारी लाल शर्मा, मोहम्मद तालिब, छिद्दा नेता, शाकिर अली आदि मौजूद रहे।इधर, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट अरसलान ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ दिल्ली के लिए निकलने वाले थे, लेकिन रात करीब नौ बजे पुलिस पहुंच गई और उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना माधौटांडा में की गई जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / गोमती उद्गम स्थल का किया निरीक्षण, निर्माण कार्य को देखा एवं गुणवत्ता परखी जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आज आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना माधौटांडा में पहुंचकर जन शिकायतों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फरियादियों की शिकायतों का संज्ञान लिया गया। इसके साथ ही साथ आपसी विवादों संबंधी शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व पुलिस कर्मचारियों द्वारा मौके पर जाकर समस्या के निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुवाई के दौरान आईं समस्त शिकायतों का समय से निस्तारण कराया जाये तथा भूमि से सम्बन्धित प्रकरण में क्षेत्र के राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समस्या का समाधान कराया जाये, किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लम्बित न रहे। ?। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा गोमती उद्गम स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्गम स्थल पर कराए जा रहे शौचालय निर्माण एवं सीसी रोड़ निर्माण के कार्य को देखा?। निर्माण कार्य में प्रयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता परखी और कार्यदाई संस्था को निर्देश दिए निर्माण कार्य निर्धारित मानक के अनुरूप पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, डीएफओ, उप जिलाधिकारी कलीनगर, थानाध्यक्ष, लेखपाल, सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

CM योगी के बरेली दौरे पर अभेद्य सुरक्षा का चक्रव्यूह, DIG अजय साहनी ने पुलिस लाइन में संभाला मोर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 13 अक्टूबर को प्रस्तावित बरेली दौरे को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। शुक्रवार को DIG अजय कुमार साहनी ने एडीजी बरेली जोन और मंडलायुक्त के साथ पुलिस लाइन पहुंचकर वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य बिंदु- जीरो टॉलरेंस पर सुरक्षा- DIG अजय साहनी ने दो-टूक कहा कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान सुरक्षा में किसी भी स्तर पर चूक बर्दाश्त नहीं होगी। सटीक तैनाती- ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को उनकी जिम्मेदारियों की स्पष्ट ब्रीफिंग देने और समय से तय प्वाइंट्स पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। निगरानी और समन्वय- कार्यक्रम स्थल और आसपास के पूरे इलाके में लगातार कड़ी निगरानी रखी जाएगी; सभी विभागों को आपसी तालमेल से कमियां तुरंत दूर करने को कहा गया है। सुचारु ट्रैफिक- अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि सुरक्षा पुख्ता रहे, लेकिन आम जनता को आवागमन में किसी तरह की असुविधा न हो। सीएम के दौरे को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद है और सुरक्षा का खाका पूरी तरह तैयार कर लिया गया है।

13 अक्टूबर को बरेली में महा-डायवर्जन: VIP दौरे पर भारी वाहनों की नो-एंट्री , पुराना बस अड्डा रहेगा बंद

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । 13 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पुलिस ने कड़ा ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। सुबह 7 बजे से कार्यक्रम खत्म होने तक सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के चलते शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नो-एंट्री ज़ोन- परसाखेड़ा रोड-1, विल्वा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्टनगर, रामगंगा तिराहा और बुखारा मोड़ से किसी भी भारी वाहन को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा। भारी वाहनों का रूट- दिल्ली, रामपुर, पीलीभीत और नैनीताल से बदायूं या लखनऊ जाने वाले भारी वाहन बड़े बाईपास, विल्वा, फरीदपुर व फतेहगंज पूर्वी होकर निकाले जाएंगे। रोडवेज बसें- पुराना बस अड्डा (नावल्टी) पूरी तरह बंद रहेगा। सभी रोडवेज बसें केवल सैटेलाइट बस स्टैंड से संचालित होंगी। दिल्ली-रामपुर की बसें मिनी बाईपास, डेलापीर व 100 फुटा होकर सैटेलाइट पहुंचेंगी। स्कूली बसों पर रोक- चौपला, चौकी चौराहा, कचहरी तिराहा, सर्किट हाउस, पटेल चौक और गांधी उद्यान की तरफ स्कूली बसों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। अपील- पुलिस प्रशासन ने शहरवासियों से असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का अनुरोध किया है।

आगामी त्योहारों को लेकर कलेक्ट्रेट में पीस कमेटी की बैठक, DM और SP ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /फर्रुखाबाद। शारदीय नवरात्रि, रामलीला और दशहरा मेले को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह की मौजूदगी में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, निर्बाध बिजली और जलापूर्ति में कोई कोताही न बरती जाए- सख्त व्यवस्था व सतर्कता- संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी समस्या की सूचना पर तत्काल कार्रवाई हो। बिजली व सड़क मरम्मत विद्युत विभाग क्षतिग्रस्त खंभों और लटकते तारों को तुरंत ठीक करे तथा पंडालों में सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करे। लोक निर्माण विभाग (क्ष्ढ़्र) गड्ढायुक्त सड़कों की तुरंत मरम्मत कराए। स्वच्छता व सुविधाएं- मंदिरों और प्रतिमा स्थापना स्थलों पर नगर पालिका नियमित सफाई व चूने का छिड़काव कराए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। बैठक में एडीएम, एएसपी, तीनों तहसीलों के एसडीएम, सीओ, नगर पालिका ईओ और पीस कमेटी के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

आठ सूत्रीय मांगों को लेकर लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर थाना दिवस पर बैठे

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। अपनी आठ सूत्रीय मांगों और विभिन्न समस्याओं को लेकर लेखपालों ने शनिवार को थाना दिवस के दौरान हाथों पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया और शासन-प्रशासन का अपनी मांगों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। लेखपालों ने बताया कि मांगों को लेकर ऑनलाइन कार्य बंद कर दिए गए हैं, जबकि आवश्यक ऑफलाइन कार्य किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से उनकी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की जा रही है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। थाना दिवस के दौरान लेखपाल काली पट्टी बांधकर फरियादियों की समस्याओं के निस्तारण से संबंधित कार्यों में जुटे रहे। इस दौरान अधिकारियों और फरियादियों ने भी लेखपालों के विरोध को देखा। लेखपालों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी आठ सूत्रीय मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो 17 अक्टूबर से पूर्ण हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि, अखिलेश यादव को सीएम बनाने का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, भारत के पूर्व रक्षामंत्री और यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर समाजवादी नेताओं ने उन्हें याद किया। बरेली में सपा कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उनके संघर्ष, जनता से जुड़ाव और समाज सेवा को याद किया गया।

इस दौरान सभी नेताओं ने एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव जीतकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि नेताजी कहा करते थे कि जनता से किए वादे पूरे न करना भी एक तरह का भ्रष्टाचार है। उन्होंने हमेशा, गरीब, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़ों के उत्थान के लिए काम किया। समानता के लिए संघर्षरत रहे। इस सबके बीच संगठन को भी मजबूती के साथ आगे बढ़ाते रहे। समर्थक, कार्यकर्ताओं से लगातार संवाद बनाकर रखते थे। पूर्व सांसद ने सपा नेताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने। उनके दुख-दर्द में शामिल होने। समस्याएं हल करने में सहयोग करने का आह्वान किया। नेताजी ने युवाओं को हमेशा राजनीति में आगे बढ़ने के मौके दिए। विधायक-पूर्व विधायक भी पहुंचे -अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने की। भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, पूर्व विधायक सुल्तान बेग, पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन, राजेश अग्रवाल, विजयपाल सिंह, शिवचरण कश्यप, अगम मौर्य आदि रहे। महानगर अध्यक्ष शमीम खान सुलतानी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी सभी वर्गों को साधकर चलते थे। ताउम्र सामाजिक न्याय, समानता और सद्भाव के लिए काम किया।

रामगंगा में नहाते समय धार में बह गए दो भाई, एक लापता

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। रामगंगा नदी में नहाते समय दो भाई पानी के तेज बहाव के साथ बह गए। शोर मचाने पर स्थानीय ग्रामीणों ने एक को बचा लिया, जबकि दूसरा लापता है। गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी है। घटना से रामगंगा के तट पर भारी जमावाड़ा लग गया। पीड़ित परिजन भी पहुंच गए। जवान बेटे के नदी में डूबने से घरवाले बिलख रहे हैं।

घटनाक्रम मीरगंज थाना क्षेत्र का है। शनिवार को कपुरपुर गांव के 23 वर्षीय अंकित अपने भाई आदेश सिंह के साथ रामगंगा में नहाने गए थे। दोनों भाई किनारे पर नहा रहे थे। इस वक्त वैसे भी नदियां उफान पर हैं। पानी के बहाव के बीच दोनों का संतुलन बिगड़ गया। पानी ने उन्हें गहराई में खींच लिया। दोनों डूबने लगे। जान बचाने के लिए दोनों भाईयों ने पूर जोर लगा दिया। लेकिन पानी के दबाव से पार नहीं पड़ सके। अंततः दोनों चीखने लगे। शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीणों बचाव अभियान शुरू किया। ग्रामीणों ने आदेश सिंह को तो बचा लिया, लेकिन अंकित पानी के तेज बहाव के साथ बह गए। ग्रामीण और गोताखोर उनकी खोज में जुट रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस-एसडीआरएफ रामगंगा में दो भाईयों के डूबने की सूचना पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई। एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने अंकित की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि पानी का बहाव काफी तेज होने के कारण अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका।

माता-पिता ईश्वर का साक्षात स्वरूप: सुधांशु जी महाराज

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में विश्व जागृति मिशन के चार दिवसीय सत्संग के अंतिम सत्र में पूज्य सुधांशु जी महाराज ने कहा कि माता-पिता ईश्वर का जीता-जागता स्वरूप हैं। उनका अपमान ईश्वर का अपमान है, जबकि उनकी सेवा और आशीर्वाद से समस्त देवता प्रसन्न रहते हैं और जीवन में कभी कोई कमी नहीं रहती। श्रीमद्भगवद्गीता के सातवें अध्याय का उल्लेख करते हुए महाराज श्री ने बताया कि भगवान को भजने वाले चार प्रकार के भक्तों-आर्त, जिज्ञासु, अर्थार्थी और ज्ञानी-में ज्ञानी भक्त प्रभु को सर्वाधिक प्रिय है। उन्होंने जीवन में मान, यश और गुणों के ह्रास को भी मृत्यु का एक रूप बताते हुए श्रद्धालुओं को सोमवार को महामृत्युंजय या मृत संजीवनी मंत्र के जाप तथा शिव-शक्ति की उपासना की प्रेरणा दी। साथ ही आगामी नवरात्र में आदिशक्ति की साधना को भोग और मोक्ष दोनों का प्रदाता बताया। समारोह में अनिल अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अनिल कुमार श्रीवास्तव, गोविंद तनेजा सहित बरेली मंडल के प्रधान देवेंद्र खंडेलवाल, महामंत्री पवन अरोड़ा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

युवती से बात करने पर फेंका था तेजाब, असली गुनहगार चढ़ा पुलिस के हत्थे

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। आंवला में पिछले साल अंकुश पर हुए सनसनीखेज एसिड अटैक का पुलिस ने शनिवार को पर्दाफाश कर दिया। एसपी साउथ अंशिका वर्मा के अनुसार, मामले में कासगंज निवासी 25 वर्षीय चन्द्रकेश उर्फ चन्द्रवीर को अरिल नदी के पुल से गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि मामला त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग का था। आरोपी चन्द्रकेश जिस युवती से प्यार करता था, वह पीड़ित अंकुश से भी बातचीत करती थी। मना करने पर दोनों में विवाद हुआ, जिसके बाद चन्द्रकेश ने अपने एक साथी के साथ मिलकर अंकुश पर तेजाब फेंक दिया। शुरुआत में पीड़ित पक्ष ने 14 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन कॉल डिटेल और सर्विलांस जांच ने पूरी कहानी पलट दी और चन्द्रकेश का नाम सामने आया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर ली है, वहीं वारदात में शामिल उसके फरार साथी की तलाश जारी है।

कलश स्थापना के साथ घरों और मंदिरों में विराजी मातारानी शैलपुत्री

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। इस बार अश्व पर सवार होकर आई मातारानी शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हो गया। घरों और मंदिर में भक्तों ने कलश स्थापित कर मां शैलपुत्री की आराधना कर पूजा अर्चना की। व्रत धारियों मां के चरणों में शीश झुकाया। इसके साथ ही नौ दिनों तक मातारानी के नौ स्वरूपों की आराधना का सिलसिला शुरू हो गया। पंचांग के अनुसार आज रविवार को नवरात्र का पहला दिन माना गया है। उधर, बड़ी आस्था के साथ पंडालों में दुर्गा पूजा का आरंभ भी हो गया।

315 बोर नाजायज तमंचे सहित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना सुभाषनगर पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध असलाह और कारतूस के साथ दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सटीक सूचना पर मालगोदाम रोड स्थित नेकपुर पैदल पुल के पास घेराबंदी की गई। इस दौरान शांति विहार निवासी राकेश साहू (40 वर्ष) पुत्र लेखराज को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक नाजायज तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह तमंचा अपनी सुरक्षा के लिए किसी अनजान व्यक्ति से खरीदा था। पुलिस टीम (प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उ0नि0 रविन्द्र सिंह, हे0का0 अमित कुमार व का0 पारस कुमार) आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया।

कायमगंज के अहमदगंज में सिलेंडर के पाइप में लगी आग: दूध गर्म करते समय बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलसे, हालत नाजुक होने पर लोहिया अस्पताल रेफर

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ कायमगंज (फर्रुखाबाद) कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के अहमदगंज गांव में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। रसोई में दूध गर्म करते समय अचानक गैस सिलेंडर के पाइप में आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 58 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े पड़ोसियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पानी और बालू डालकर आग पर काबू पाया।

आग बुझाने के प्रयास में झुलसे- जानकारी के मुताबिक, पीड़ित रामलड़ैते घर की रसोई में दूध गर्म कर रहे थे, तभी अचानक सिलेंडर के पाइप ने आग पकड़ ली। आग को फैलता देख उन्होंने खुद ही उसे बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटों की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल आग बुझाकर उन्हें संभाला। सीएचसी से लोहिया अस्पताल रेफर- हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कायमगंज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए फर्रुखाबाद के डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के वक्त घर पर अकेले थे रामलड़ैते मूल रूप से एटा जनपद के राजा का रामपुर के निवासी हैं। वह पिछले कई वर्षों से अहमदगंज में अपने बेटों हुकुम सिंह और सत्यपाल के साथ रहकर मशीनरी की दुकान चलाते हैं। उनकी पत्नी का पहले ही देहांत हो चुका है। हादसे के समय उनके दोनों बेटे किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे, जिसके कारण वह घर पर बिल्कुल अकेले थे।

आगामी त्योहारों को लेकर कलेक्ट्रेट में पीस कमेटी की बैठक, DM और SP ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद। शारदीय नवरात्रि, रामलीला और दशहरा मेले को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए को कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह की मौजूदगी में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, निर्बाध बिजली और जलापूर्ति में कोई कोताही न बरती जाए सख्त व्यवस्था व सतर्कता- संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी समस्या की सूचना पर तत्काल कार्रवाई हो।

बिजली व सड़क मरम्मत- विद्युत विभाग क्षतिग्रस्त खंभों और लटकते तारों को तुरंत ठीक करे तथा पंडालों में सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करे। लोक निर्माण विभाग (PWD) गड्ढायुक्त सड़कों की तुरंत मरम्मत कराए।

स्वच्छता व सुविधाएं मंदिरों और प्रतिमा स्थापना स्थलों पर नगर पालिका नियमित सफाई व चूने का छिड़काव कराए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। बैठक में एडीएम, एएसपी, तीनों तहसीलों के एसडीएम, सीओ, नगर पालिका ईओ और पीस कमेटी के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

काली माता एवं भैरो बाबा मंदिर में की सफाई, भगवा ध्वज लगाया

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / नगर के पोड़ाखेड़ा स्थित श्री काली माता जी एवं श्री भैंरो बाबा जी के प्राचीन मंदिर में नवरात्रि के पावन पर्व से एक दिन पूर्व मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर भगवा ध्वज स्थापित किया। वर्ष 1972 में निर्मित इस प्राचीन मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था है। मंदिर से जुड़े संस्थापक परिवार के मनोज कुमार अग्रवाल सर्राफ, एडवोकेट चिराग अग्रवाल ने माता रानी एवं श्री भैंरो बाबा जी से सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि के लिए कामना की।

श्रीमद्भागवत कथा में भाजपा नेता नरेश यादव का हुआ जोरदार स्वागत

बनियाठेर क्यूँ न लिखूँ सच । ग्राम बनियाठेर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश यादव

का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर कथा संयोजक धर्मसिंह यादव ने नरेश यादव को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कथा में इटावा से पधारी कथावाचक ऋचा शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा का सुंदर वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, संचालक राम रहीम तथा मुख्य वक्ता भगत सिंह और अर्जुन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

फर्रुखाबाद में नवविवाहिता की मौत से मचा हड़कंप, मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप!

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद - शादी के महज 5 महीने बाद उजड़ गया सुहाग, पंखे से लटका मिला 28 वर्षीय शिवानी का शव; परिजनों के आरोपों से मचा हड़कंप।फर्रुखाबाद जिले के अमृतपुर क्षेत्र के भुवनपुर गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया सुबह करीब 6 बजे 28 वर्षीय शिवानी पत्नी अभय का शव घर में पंखे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

बताया गया कि शिवानी की शादी 8 मई 2026 को अभय के साथ प्रेम विवाह के रूप में हुई थी। शादी को अभी महज पांच महीने ही हुए थे कि उनकी मौत की खबर सामने आ गई। इस घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप- मृतका की मां सुषमा और पिता नर सिंह का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उनकी बेटी की हत्या की गई और बाद में उसके शव को पंखे से लटका दिया गया। मायके पक्ष ने जेठ रजत और शिवम समेत अन्य लोगों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के भाई पंकज ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है।

हालांकि, दहेज हत्या से जुड़े इन आरोपों की पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य- घटना की सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष राजीव पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी नमूने और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

मौके पर तहसीलदार शशांक सिंह और लेखपाल भी मौजूद रहे। घटना के दौरान दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

पांच महीने पहले शुरू हुआ था वैवाहिक जीवन, अब मौत के बाद उठे गंभीर सवाल- इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। नवविवाहिता की मौत के बाद मायके पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों ने मामले को गंभीर बना दिया है। अब सभी की नजरें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पर टिकी हैं, जिनसे घटना की परिस्थितियों और मौत के वास्तविक कारणों को समझने में मदद मिलेगी। फिलहाल यह मामला जांच के अधीन है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि शिवानी की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

फर्रुखाबाद में दर्दनाक सड़क हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से 19 वर्षीय सब्जी विक्रेता की मौत, परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ सुबह-सुबह मंडी जा रहा था युवक, पांचाल घाट पुल के पास काल बनकर आया तेज रफ्तार वाहन! उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पांचाल घाट पुल के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइकनुमा रेहड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रेहड़ी पर सवार 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया गया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान राजेपुर क्षेत्र के खंडोली गांव निवासी सत्येंद्र के रूप में हुई है। सत्येंद्र सब्जी बेचकर अपने परिवार की मदद करते थे। शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह सब्जी खरीदने के लिए मंडी जा रहे थे। इसी दौरान पांचाल घाट पुल के पास अज्ञात वाहन ने उनकी रेहड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि सत्येंद्र बुरी तरह घायल हो गए और उनकी जान नहीं बच सकी।

मोबाइल से परिवार को मिली हादसे की सूचना- हादसे के बाद सत्येंद्र के पास मिले मोबाइल फोन के जरिए उनके परिवार को घटना की जानकारी दी गई। जैसे ही परिजनों को युवक की मौत की खबर मिली, परिवार में चीख-पुकार मच गई। जवान बेटे को खोने का दुख परिवार पर टूट पड़ा। सत्येंद्र अपने छह भाइयों में पांचवें नंबर पर थे। बेटे की मौत से मां रामलली और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिस बेटे से परिवार को थीं उम्मीदें, वह अब लौटकर नहीं आएगा- महज 19 साल की उम्र में सत्येंद्र की जिंदगी का इस तरह खत्म हो जाना पूरे परिवार के लिए गहरा सदमा है। रोजी-रोटी के लिए सब्जी बेचने वाला युवक सुबह घर से मंडी जाने के लिए निकला था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि यह उसका आखिरी सफर साबित होगा। परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं।

अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दे दी है। हादसे के बाद परिवार के सामने दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

प्रमुख मंदिरों एवं मेला स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ जिलाधिकारी डॉ0 अंकुर लाठर एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह ने शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत जनपद के प्रमुख मंदिरों एवं मेला स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रमुख निर्देश- मंदिरों एवं मेला स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, बैरिकेडिंग एवं भीड़ नियंत्रण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए

तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। मंदिर परिसरों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग कर प्रवेश एवं निकास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर पालिका द्वारा नियमित साफ-सफाई, कूड़ेदानों की व्यवस्था तथा आवारा गोवंश को तत्काल आश्रय स्थलों तक पहुँचाने की कार्यवाही की जाए। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख स्थलों पर सतर्क निगरानी रखी जाए।

सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें तथा किसी भी समस्या या अव्यवस्था की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना सुनिश्चित करें

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत। तीन महीने पहले हुई थी शादी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी ।कस्बे के तीन दिन पहले हादसे में घायल 22 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया ।युवक की शादी महज तीन महीने पहले हुई थी। जानकारी के मुताबिक कस्बा के मोहल्ला ठाकुरद्वारा निवासी सुमित रस्तोगी (22) बुधवार शाम बाइक से शाही में अपनी रिश्तेदारी से लौट रहे थे ।लालकुआं के पास रोड पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी ।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंचे परिजन ने

♦ मृतक का फाइल फोटो

उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

वहां उनका इलाज चल रहा था। सिर में चोट लगने से गंभीर हालत के कारण शुक्रवार शाम इलाज के दौरान अस्पताल में सुमित रस्तोगी ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शब कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शाम को शब परिजनों को सौंप दिया ।महज तीन महीने पहले शादी के बंधन में बंधे सुमित की मौत से परिवार की खुशियां गम में बदल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़े भाई अमित रस्तोगी ने बताया कि हादसे के बाद से ही सुमित की हालत गंभीर बनी हुई थी। काफी प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

बिलारी में मुलायम सिंह यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि पर हवन और विचार गोष्ठी का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच /युसूफ/ बिलारी, मुरादाबाद। समाजवादी विचारधारा के पुरोधा, पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि पर शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को अमरपुर काशी, बिलारी स्थित जिला सहकारी बैंक मुरादाबाद के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ सपा नेता राजेश सिंह यादव के कैंप कार्यालय पर हवन और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वसमाज के लोगों ने हवन में आहुति देकर नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता मुख्य अतिथि हाजी तालिब अंसारी, जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी मुरादाबाद ने की, जबकि संचालन अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष मुकुट सिंह यादव ने किया। हवन भूपेंद्र शास्त्री ने संपन्न कराया। इस अवसर पर राजेश सिंह यादव ने कहा कि नेताजी के व्यक्तित्व को चंद शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। गरीब के घर में चूल्हा जला या नहीं, इसकी चिंता करना उनकी संवेदनशीलता का प्रतीक था। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सामाजिक, नैतिक और मानवीय मूल्यों को हमेशा प्राथमिकता दी। राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले नेताजी ने सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि नेताजी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि करोड़ों गरीबों, किसानों, मजदूरों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और नौजवानों की उम्मीद थे। उनका जीवन उन लोगों के अधिकारों और सम्मान के लिए समर्पित रहा, जिन्हें अक्सर समाज और व्यवस्था में बराबरी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मुख्य अतिथि हाजी तालिब अंसारी ने कहा कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि केवल उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाना या उनके नाम के नारे लगाना नहीं है। सच्ची श्रद्धांजलि यह है कि हम समाज को बांटने वाली हर कोशिश के खिलाफ खड़े हों, हर उस अन्याय का विरोध करें जो किसी इंसान को उसके अधिकारों से वंचित करता है और इंसाफ, बराबरी तथा भाईचारे की आवाज उठाने वालों का साथ दें। नेताजी ने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय और आपसी सद्भाव के लिए समर्पित किया। उनके विचारों को अपनाकर ही उनके संघर्ष और विरासत को आगे बढ़ाया जा सकता है। राजेश सिंह यादव ने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सभी समाजवादी साथियों को पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ काम करना चाहिए। यही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर फतेह सिंह जाटव, गजेंद्र सिंह यादव, नितिन जाटव, तुंगीश यादव, अजय यादव, कुशल यादव, प्रदीप यादव, अतर सिंह यादव, वीर सिंह प्रधान, शिव प्रजापति, विजयपाल प्रधान, अमरपाल, जगमोहन यादव प्रधान, अवधेश, विक्की, डॉ. नत्थूलाल मौर्य, मुंशी नत्थू सिंह, विपिन यादव, अभय सिंह प्रधान, शीशराम सिंह, वीरेश, प्रशांत कश्यप, खुशीराम, हरिश्चंद्र जाटव, डॉ. कौशल पाल, अभिषेक, सोमपाल सिंह, योगेंद्र सिंह, प्रताप सिंह, राजेश, मनोज मौर्य, प्रवीण, फरहत पठान, मुकीम सैफी, शुएब सैफी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्टेडियम में गूंजा नशा मुक्ति का संदेश, DM डॉ. अंकुर लाठर ने किया अत्याधुनिक जिम का भव्य उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फतेहगढ़ फर्रुखाबाद- जनपद में युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से%सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्व. ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्पोर्ट्स स्टेडियम, फतेहगढ़ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नए जिम का लोकार्पण किया और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के साथ दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प- समाज कल्याण विभाग एवं श्रम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के दौरान युवाओं को व्यसनों से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें खेल व सकारात्मक गतिविधियों की ओर मोड़ना रहा। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने युवाओं से एक सशक्त और व्यसनमुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। दौड़ प्रतियोगिता में दिखा युवा धावकों का दम- समारोह के दौरान आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और युवा धावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मैदान पर उतरे प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और रफ्तार का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। खिलाड़ियों को मिला अत्याधुनिक जिम का तोहफा- स्टेडियम में नए और आधुनिक जिम की स्थापना से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय फिटनेस और प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और युवाओं को शारीरिक फिटनेस के प्रति प्रेरित करना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह जिम जनपद के उदीयमान एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग तथा खेल विभाग के अधिकारी, कोच, शिक्षकगण एवं भारी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सांसद ने फीता काटकर रामलीला मेले का किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। शुक्रवार देर शाम भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने फीता काटकर कस्बे में लगने वाले रामलीला मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों पर चलकर आदर्श समाज बनाने की अपील की। शुक्रवार शाम करीब साढ़े आठ बजे मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह, आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, एमएलसी जयपाल व्यस्त ने दीप प्रज्ज्वलित कर और फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया ।कहा कि राम संपूर्ण सृष्टि के आदर्श हैं। त्रेता युग में राम ने विश्व को अपराध मुक्त किया था, उसी तरह उनके पदचिन्हों पर चलकर केंद्र और प्रदेश सरकार भयमुक्त समाज की स्थापना कर रही है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओमेंद्र पाल सिंह ने बताया बहराइच से पहुंची अमित शर्मा की कंपनी के 24 सदस्य रामलीला का मंचन करेंगे ।रामलीला 9 से 23 अक्टूबर तक चलेगी। 13 अक्टूबर को राम बरात निकलेगी, उसी दिन एक गरीब कन्या का विवाह कराया जाएगा। 20 अक्टूबर को दशहरा और 23 अक्टूबर को राजगद्दी का आयोजन होगा। इस मौके पर महिपाल सिंह, संजय सिंह चौहान, चक्रवीर सिंह चौहान, सुनील पांडेय, कैलाश अग्रवाल, विजय गुप्ता, नरेश ऐरन, सुमित सिंह, प्रेम प्रकाश गर्ग, उमेश साहू आदि मौजूद रहे।

उप जिलाधिकारी सदर ने क्रॉप कटिंग के माध्यम से जांची धान की उत्पादकता

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत:- उप जिलाधिकारी सदर श्रद्धा सिंह की देखरेख में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़ों के संकलन को लेकर विकासखण्ड मरौरी के ग्राम पंचायत दियूरी में धान की फसल कटाई की स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्रीय लेखपाल ज्योति सिंह व कानूनगो मो. असलम खान ने दियूरी के चार कृषकों के यहाँ नाम तेजराम, गोदपाल, ताराचंद व प्रेमवती के खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के 10म10म10 मीटर का समबाहु त्रिभुज का प्लॉट बनावाकर सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से फसल की क्रॉप कटिंग कराई। इसके बाद उन्होंने धान की पिटाई कराकर उसकी तौल भी कराई, जिसमें चार गाटों का क्रॉप कटिंग प्रयोग कराया गया। जिसमें 22.530 कि. ग्रा., 24.210 कि. ग्रा., 21.580 कि. ग्रा. एवं 20.710 कि. ग्रा.वजन की फसल प्राप्त हुई। उपजिलाधिकारी ने क्षेत्र के दियूरी गांव में क्रॉप कटिंग के निरीक्षण के दौरान फसल नपाई, कटाई, सीसीई एग्री ऐप पर ऑनलाइन फीडिंग आदि बिंदुओं की जानकारी ली। उपजिलाधिकारी द्वारा किसान बन्धुओं से आग्रह किया कि किसान अपनी जमीन की फॉर्मर रजिस्ट्री,फसलों का बीमा व किसान पंजीकरण अवश्य कराएं, जिससे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना के अंतर्गत इफ़्को टोकियो कंपनी के जिला प्रतिनिधि महेन्द्र भारती, तहसील समन्वयक महेन्द्र वर्मा व अन्य ग्रामीण मौजूदर हे।

पितृ अमावस्या पर फर्रुखाबाद के पांचाल घाट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फर्रुखाबाद- पितृ अमावस्या के पावन पर्व पर शनिवार को ऐतिहासिक पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। तड़के सुबह 5 बजे से ही गंगा स्नान के लिए घाटों पर भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए विधिवत पूजा-अर्चना की।

सनातन परंपरा में पितृ अमावस्या पर गंगा स्नान, तर्पण और पितरों के निमित्त दान करने का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। इसी मान्यता के चलते बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने स्नान के उपरांत घाट पर मौजूद आचार्यों के सानिध्य में विधि-विधान से तर्पण की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद लोगों ने जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र व दक्षिणा दान कर अपने पूर्वजों को नमन किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

आसपास के कई जिलों से पहुंचे श्रद्धालु- पांचाल घाट पर केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि हरदोई, शाहजहांपुर, मैनपुरी, इटावा और कन्नौज सहित आसपास के कई जिलों से बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही घाटों पर धार्मिक अनुष्ठानों और हर-हर गंगे के जयकारों की गूंज बनी रह फर्रुखाबाद- सेवा संकल्प अभियान के तहत स्टेडियम में गूंजा नशा मुक्ति का संदेश, छ्रू डॉ. अंकुर लाठर ने किया अत्याधुनिक जिम का भव्य उद्घाटन फतेहगढ़ फर्रुखाबाद- जनपद में युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्व. ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्पोर्ट्स स्टेडियम, फतेहगढ़ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नए जिम का लोकार्पण किया और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के साथ दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प- समाज कल्याण विभाग एवं श्रम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के दौरान युवाओं ज

होटल से घर लौट रहे युवक को रास्ते में घेरकर पीटा, दो पर केस

क्यूँ न लिखूँ सच / गाली-गलौज का विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, जान से मारने की धमकी देकर फरार हुए आरोपी अमरिया, पीलीभीत। अमरिया थाना क्षेत्र के गांव कैचूटांडा में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि होटल से घर लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर दो लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना में युवक घायल हो गया। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, कैचूटांडा निवासी अमन पुत्र शरीफ अहमद दोपहर करीब 3—30 बजे शाहिद के होटल पर मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के जुनैद पुत्र परवेज शाह ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। अमन ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। घर लौटते समय रास्ता रोककर किया हमला- आरोप है कि होटल से घर लौटते समय अमन को जुनैद और उसके भतीजे वसीम पुत्र नसीम ने रास्ते में रोक लिया। दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। युवक के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित के पिता शरीफ अहमद ने अमरिया थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जुनैद और वसीम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण हेतु फील्ड ट्रेनर्स के दो बैचों का प्रशिक्षण सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में जनगणना द्वितीय चरण हेतु नामित फील्ड ट्रेनर्स के दो बैचों का प्रशिक्षण आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दिनांक 08 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हुए इस

प्रशिक्षण कार्यक्रम में फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के द्वितीय चरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं एवं निर्धारित प्रश्नों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने सभी फील्ड ट्रेनर्स को संबोधित करते हुए स्व-गणना (Self Enumeration) में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा इसे चार्ज स्तर पर सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जनगणना के प्रति आमजन को जागरूक करना एवं उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना सभी संबंधित कार्मिकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स से अपेक्षा की कि वे चार्ज स्तर पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को गुणवत्तापूर्ण, रोचक एवं जानकारीपरक प्रशिक्षण प्रदान करें, ताकि जनगणना संबंधी प्रक्रियाओं एवं प्रश्नों की स्पष्ट समझ विकसित हो सके तथा जनगणना कार्य का सुचारु एवं सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण के समापन के साथ ही फील्ड ट्रेनर्स को चार्ज स्तर पर आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने तथा जनगणना 2027 के द्वितीय चरण को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नवरात्रि पर्व पर मंदिरों के आसपास मांस-मछली की दुकानें बंद कराने की मांग, भुता थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह /बरेली। नवरात्रि पर्व को देखते हुए मंदिरों के आसपास संचालित मांस-मछली की दुकानों को बंद कराने की मांग को लेकर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के पदाधिकारियों एवं

कार्यकर्ताओं ने थाना भुता प्रभारी रविंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन संगठन के जिलाध्यक्ष अजय पटेल के निर्देश पर सौंपा गया। संगठन के पदाधिकारियों ने नवरात्रि पर्व के दौरान धार्मिक स्थलों के आसपास मांस-मछली की दुकानों को बंद कराने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर ब्लॉक उपाध्यक्ष योगेश कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष कमल किशोर, ब्लॉक मंत्री राज बाबू, विमल कुर्मी, राजेश कुमार सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Health Talk: From blood clotting to strong bones, are you aware of these benefits of Vitamin K?

Vitamin K is essential for blood clotting and bone-related processes. A deficiency can lead to easy bruising of the skin and the risk of abnormal bleeding. Green leafy vegetables are a good source of vitamin K. For good health, health experts recommend paying special attention to diet. A nutritious diet is considered essential for meeting the body's essential nutrients. We need vitamins, minerals, antioxidants, and fiber from our daily diet. Are you meeting these requirements? When it comes to vitamins, people often think of Vitamin C, Vitamin D, or B12 first. These are certainly essential for health, but we should also pay equal attention to other vitamins and nutrients. Vitamin K also plays an important role in maintaining a healthy body. It helps blood clotting, allowing the process of stopping bleeding in case of an injury to proceed smoothly. Additionally, it's crucial for bone health. Are you consuming vitamin K-rich foods daily? Health experts say that while vitamin K may not be widely discussed, it's essential for protecting the body from serious health problems. Fortunately, vitamin K is easily obtained from green leafy vegetables and many other foods. While deficiency is rare in healthy adults, certain diseases and medications can increase the risk of vitamin K deficiency. First, let's understand why vitamin K is important. Vitamin K is a fat-soluble vitamin. It helps activate certain blood-clotting proteins in the body. Without it, the process of stopping bleeding from an injury or cut can be affected. Furthermore, vitamin K also helps with the functioning of proteins involved in bone metabolism. Therefore, it's important to consume adequate vitamin K. What happens when you're deficient in vitamin K? Medical reports indicate that vitamin K deficiency is rare, but if the amount is low, it can delay blood clotting when needed. Blue spots easily form on the skin, which may indicate bleeding. Abnormal bleeding from the nose or gums may occur. Small cuts may bleed for a long time. In severe cases, there is a risk of internal bleeding. So, what foods should be consumed for vitamin K? According to medical reports, men aged 18 years and older require 120 micrograms of vitamin K daily, and women 90 micrograms. By making small changes to your daily diet, you can easily meet the daily vitamin K requirements. Self-supplementation of vitamin K should not be done. Taking supplements along with blood-thinning medications can cause serious complications. Green leafy vegetables like spinach and fenugreek are good sources of vitamin K. It is also found in broccoli, cabbage, and some other green vegetables. Vitamin K is also found in vegetable oils. Soybeans, eggs, cheese, and some fruits also contain it.

Weight Loss: To control calorie intake, pay attention to these things first.

To control calories, it's important to reduce the amount of sugary drinks, excess sugar, frequent snacks, and high-fat foods. There's no need to starve yourself or cut out all carbohydrates. A balanced diet, proper portions, and regular activity are enough. Weight gain and obesity are among the most common yet serious health conditions today. These problems are seen in everyone, from children to the elderly. As weight increases, so does the risk of diabetes, high blood pressure, heart disease, and in some cases, cancer. This is why health experts advise everyone to take weight control measures from a young age. When trying to lose weight, paying attention to diet and calorie intake is crucial. If we don't burn as many calories as we consume through physical activity, it can lead to increased body fat. This is why it's so important to pay attention to calorie intake. But controlling calories doesn't mean starving yourself or giving up everything you enjoy forever. Let's learn how you can control calories in a healthy way to lose weight. Health experts say that there are some things that we don't realize their calorie content when we eat or drink them, such as sugary drinks, frequent snacks, and foods made with a lot of oil. Reducing their intake can help reduce overall calories. Reduce the amount of sweetened beverages and packaged juices - Cold drinks, sweet tea and coffee, sugary drinks, and energy drinks can increase calorie intake. Therefore, it is very important to be careful about their consumption. If you drink sweetened beverages daily, reduce their quantity. Eat whole fruits instead of juice. Avoid packaged juices. Fried snacks are high in calories - Foods like samosas, kachoris, chips, and pakoras can provide high calories even in small quantities. Eating them frequently can disrupt your daily calorie count. Therefore, you need to consider other daily snack options. Eat roasted chickpeas and unsalted nuts as daily snacks. Measure the amount of oil used when cooking. Several studies have recommended reducing oil intake by 10% per month. Instead of cutting out favorite snacks completely, gradually reduce their intake. Avoid sweets and frequent snacks with tea - Many people eat biscuits, snacks, or sweets with tea two or three times a day. Even small portions can add to their total calories. When buying packaged foods, check the calorie content per serving. Reduce sugar and saturated fat in your diet. Avoid snacking out of habit when you're not hungry. Pay special attention to these things: To control calories, it's not necessary to stop eating foods like bread, rice, or fruit without reason. Following an overly strict diet can lead to nutritional deficiencies. Therefore, include vegetables, whole grains, and healthy protein-rich foods in your diet. Be mindful of portion sizes and try to eat just a little less than you're full. Along with improving diet, adequate sleep and regular physical activity are also very important, this helps in burning extra calories.

Health Talk: From blood clotting to strong bones, are you aware of these benefits of Vitamin K?

Vitamin K is essential for blood clotting and bone-related processes. A deficiency can lead to easy bruising of the skin and the risk of abnormal bleeding. Green leafy vegetables are a good source of vitamin K. For good health, health experts recommend paying special attention to diet. A nutritious diet is considered essential for meeting the body's essential nutrients. We need vitamins, minerals, antioxidants, and fiber from our daily diet. Are you meeting these requirements? When it comes to vitamins, people often think of Vitamin C, Vitamin D, or B12 first. These are certainly essential for health, but we should also pay equal attention to other vitamins and nutrients. Vitamin K also plays an important role in maintaining a healthy body. It helps blood clotting, allowing the process of stopping bleeding in case of an injury to proceed smoothly. Additionally, it's crucial for bone health. Are you consuming vitamin K-rich foods daily? Health experts say that while vitamin K may not be widely discussed, it's essential for protecting the body from serious health problems. Fortunately, vitamin K is easily obtained from green leafy vegetables and many other foods. While deficiency is rare in healthy adults, certain diseases and medications can increase the risk of vitamin K deficiency. First, let's understand why vitamin K is important. Vitamin K is a fat-soluble vitamin. It helps activate certain blood-clotting proteins in the body. Without it, the process of stopping bleeding from an injury or cut can be affected. Furthermore, vitamin K also helps with the functioning of proteins involved in bone metabolism. Therefore, it's important to consume adequate vitamin K. What happens when you're deficient in vitamin K? Medical reports indicate that vitamin K deficiency is rare, but if the amount is low, it can delay blood clotting when needed. Blue spots easily form on the skin, which may indicate bleeding. Abnormal bleeding from the nose or gums may occur. Small cuts may bleed for a long time. In severe cases, there is a risk of internal bleeding. So, what foods should be consumed for vitamin K? According to medical reports, men aged 18 years and older require 120 micrograms of vitamin K daily, and women 90 micrograms. By making small changes to your daily diet, you can easily meet the daily vitamin K requirements. Self-supplementation of vitamin K should not be done. Taking supplements along with blood-thinning medications can cause serious complications. Green leafy vegetables like spinach and fenugreek are good sources of vitamin K. It is also found in broccoli, cabbage, and some other green vegetables. Vitamin K is also found in vegetable oils. Soybeans, eggs, cheese, and some fruits also contain it.

Somi Ali: Why did the actress start her NGO? She receives so many calls every day; she has this message for the youth.

Actress Somi Ali has spoken about domestic violence and human trafficking. She has also appealed to people to stop the crime. An actress-turned-social activist, Somi Ali has spent many years helping victims of domestic violence, human trafficking, and exploitation. She also runs an NGO. Known for films like "Teesra Kaun," "Chup," "Yaar Gaddaar," "Andolan," "Mafia," and "Aao Pyar Karen," Ali later withdrew from the limelight. She chose to focus on social work. She receives 30 calls every day - October is "Domestic Violence Awareness Month," but Ali says the issue cannot be viewed as a one-month campaign. She says her NGO receives approximately 30 calls every day and operates year-round. Somi says, "For us, October doesn't come as a campaign. It comes as the month when the rest of the world finally says out loud what we hear every day on our helpline." Awareness isn't enough. Somi Ali adds, "Domestic Violence Awareness Month is a time when strangers ask the questions we live with every moment. The abuse never takes a break. The calls never stop." The actress believes that awareness alone can't change a victim's life. She says, "Wearing a purple ribbon isn't the real work. The real work happens the night after the ribbon day, when the victim finally believes she can leave home. Awareness isn't enough." Why did the actress start an NGO? Ali says, "I started this NGO because I experienced that silence myself. In her childhood and in the lives of women who migrated from other countries and had no place to understand their language, their visas, and their fear of being sent back. The actress's appeal - She also appeals to society to believe the victims and teach young people about healthy relationships. She says, "Believe the first report. Most women don't exaggerate things, but rather downplay them. The recovery lasts only for the first hour. It takes the entire next year to recover." She further says, "October is the month when we tell you not to turn away."

"Trying to handle things..." Scout's girlfriend breaks silence on viral video, says this important thing

There's a lot of discussion among fans these days about the attraction between Scout OP and Luv Gill in the "Bigg Boss 20" house. Scout's girlfriend, Kashvi Hiranandani, has expressed her views on social media. Find out what Kashvi said... It's not uncommon for co-contestants to leave the house as couples in almost every season of Bigg Boss. These days, the love angle between "Bigg Boss 20" contestants Scout OP and Luv Gill is also generating a lot of discussion among viewers. Meanwhile, Scout's girlfriend, Kashvi Hiranandani, has also given her reaction to the matter. What did Kashvi say about Scout? - Scout's girlfriend, Kashvi Hiranandani, addressed the issue during her recent livestream. She said that she's noticed people focusing on her reaction to Scout's behavior inside the house. She said, "Many people are wondering about my reaction to Scout OP's behavior inside the house. First of all, I want to say that I'm fine and trying to handle the situation outside. I really pray for Scout." Kashvi further added, "There's a difference between inside and outside the house; they're two different things. One is my personal relationship with Scout, and the other is getting to know Scout as a person. No matter what's happening, I want Scout to succeed because she's worked so hard to get to where she is today." What did Scout say about Luv? A clip from the Bigg Boss 20 house went viral on social media. It shows Scout and Young having a private conversation in the garden area near the pool. The two were discussing their relationship and their interactions inside the house. During the conversation, Scout spoke about feeling possessive after seeing Luv and Gullu. She also admitted that being together for a long time in the Bigg Boss house creates deep emotional bonds between contestants.

Kriti Sanon: "My choli was discussed on a news channel..." The actress broke her silence on the ad controversy, saying this.

Kareena Kapoor's show "What Women Want 6" is set to premiere soon, in which actress Kriti Sanon will be seen openly discussing her Rakhi controversy. Season 6 of "What Women Want," the highly popular talk show and podcast hosted by Bollywood actress Kareena Kapoor Khan, is set to premiere soon. This season will feature stars including Ali Fazal, Neha Kakkar, Maheep Kapoor, Bhavana Pandey, Mickey Contractor, Pankaj Tripathi, Kriti Sanon, and Mira Rajput. The show's trailer was recently released, showing Kriti openly discussing the Rakshabandhan ad controversy with the actress. What did Kriti say? Speaking to Kareena, Kriti said, "I couldn't believe that my choli became the subject of a six-person panel discussion on prime time news." To this, Kareena replied, "I know." At the end of the show, when Kriti was asked what women really want, she replied, "Not to be judged and for people to mind their own business." What was the whole matter? In fact, the controversy began when jewelry brand Ziva released an advertisement featuring Kriti on Rakshabandhan. In the advertisement, the actress was seen tying a Rakhi to her brother as well as her pet dog. She wore an Indo-Western outfit. In the advertisement, Kriti was seen wearing an off-white bralette-style blouse, cape, and draped skirt. The advertisement attempted to portray a traditional festival like Rakshabandhan in a modern way, but some people did not like it. Many users on social media questioned whether such attire was appropriate for the festival. Furthermore, the advertisement also included a dog as part of the Rakshabandhan celebration. In one scene, Kriti was seen tying a Rakhi to the dog, a fact that some people did not like. The ad was then removed after the controversy escalated. Kriti expressed her views - Later, Kriti expressed her views on the controversy on Instagram. She said that the true spirit of festivals lies not in the clothes, but in the relationships and traditions associated with them. She wrote, "The true spirit of festivals lies not in your clothes, but in the meaning of the emotions and traditions you hold in your heart. Raksha Bandhan symbolizes a bond of protection." Kriti further wrote, "My sister and I tie Rakhi to each other. We know that we can protect each other as much as a brother can. We pray for each other's health, happiness, and long life. And for us, this prayer and promise extends to our dogs, because after all, they are also part of our family." Kriti also questioned the debate surrounding women's clothing and culture. She said, "When will we stop telling women what they should wear? Ethnic fashion has changed over time, but even today, a woman's respect for her culture is measured solely by her clothing. Culture and traditions reside in her heart, not her neckline." On the work front, Kriti was last seen in the romantic comedy-drama "Cocktail 2," which also starred Shahid Kapoor and Rashmika Mandanna.